धन्यवाद, जैक्सन

निकी और जूड

धन्यवाद, जैक्सन

निकी और जूड

एक किसान था.

उसकी पत्नी का नाम ब्यूटी और बेटे का नाम गुडविल था.

उसका जैक्सन नामक एक बूढ़ा गधा भी था.

हर सुबह, किसान अपने पुराने गधे की मजबूत पीठ पर आलू, गाजर, मक्का और कद्दू लादता था और उन्हें बाजार में बेचने के लिए पहाड़ी पर जाता था. और बिना किसी शिकायत के या आराम किए जैक्सन पहाड़ी पर चढ़ जाता था.

फिर, एक दिन सुबह, बूढ़ा गधा आधे रास्ते में ही रुक गया और फिर वो बिल्कुल आगे नहीं बढ़ा.

"क्या बात है?" किसान ने पूछा. लेकिन चूंकि गधा बोल नहीं सकता था इसलिए उसने किसान को कोई जवाब नहीं दिया.

फिर चिढ़कर किसान ने उसे पीछे से धक्का देना शुरू किया और कहा, "आगे बढ़ो! पहाड़ी पर चढ़ो!

लेकिन जैक्सन टस-से-मस नहीं हुआ.

किसान ने जैक्सन को सामने से खींचने की कोशिश करी.

"चलो आओ!" किसान ने गधे की बहुत खुशामद की. उसे डर था कि अगर वो बाजार में देर से पहुंचा तो वो अपने ग्राहकों को खो देगा.

फिर भी जैक्सन बिल्कुल नहीं हिला. बेचारे गधे ने पूरी ज़िंदगी बोझ ढोया था. किसी ने कभी भी उसका शुक्रिया अदा नहीं किया था. वो साल-दर-साल भारी बोझ उठाकर पहाड़ी पर चढ़कर सामान बाजार तक ले जाता था.
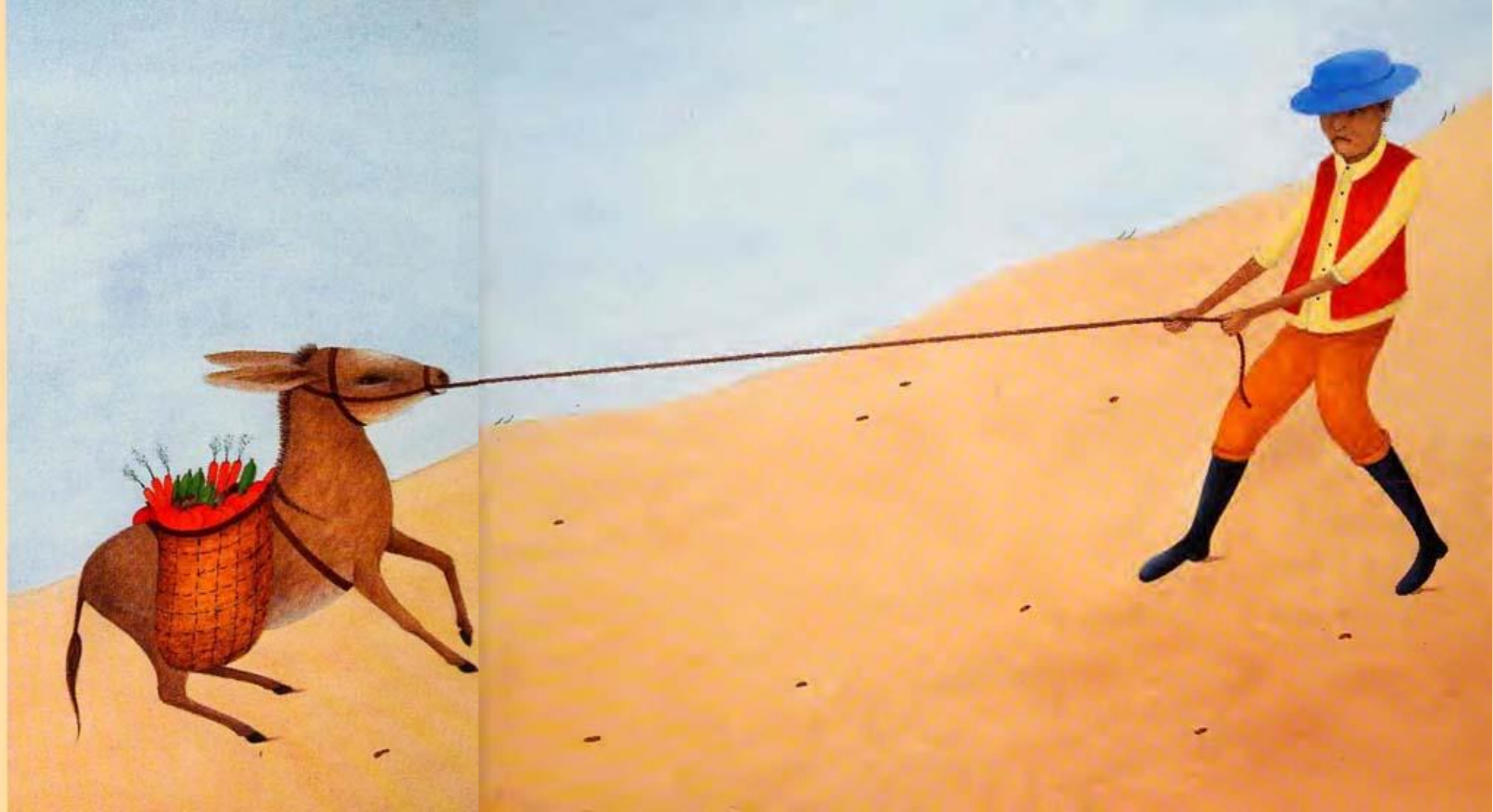
"बेवकूफ गधा!" किसान चिल्लाया.

यह सुनकर जैक्सन ज़मीन पर बैठ गया और फिर सब्जियां उसकी पीठ से गिर पड़ीं और पहाड़ी पर लुढ़कने लगीं.

किसान अपने गुस्से में, जिद्दी जानवर को पीटने के लिए एक डंडा ढूंढने लगा.

"मैं दस तक गिनूंगा, और अगर तुम खड़े नहीं हुए, तो फिर मैं तुम्हें इस डंडे का स्वाद चखाऊंगा!" किसान ने डांटा और फिर उसने गधे को अपने हाथ में पकड़ा मोटा डंडा दिखाया.

फिर किसान गिनने लगा....

"एक...

दो...

तीन...

चार. . .

पांच . . .

छह....

सात..."

अपने घर से किसान की पत्नी ब्यूटी ने, पहाड़ी पर जो कुछ हो रहा था, वो सब देखा. फिर उसने अपने बेटे गुडविल से कहा.

"बेटा, तुम जाकर अपने पिता की कुछ मदद करो?"

"हाँ, माँ," गुडविल ने उत्तर दिया.

"धन्यवाद, बेटा," माँ ने कहा.

फिर छोटा लड़का गुडविल पहाड़ी पर चढ़ गया.

"आठ. . .

नौ ..."

किसान गिनती गिनता रहा.

पर क्योंकि गधे को गिनती नहीं आती थी, इसलिए जैक्सन पर उसका कोई असर नहीं पड़ा.

दस की गिनती पर पहुँचने के बाद किसान ने अपना मोटा डंडा उठाया. वो गधे को पीटना ही वाला था कि उसके छोटे लड़के ने पुकारा, "पिताजी! कृपया जैक्सन को न मारें!"

बूढ़ा गधा, गुडविल को देखकर बहुत खुश हुआ.

धीरे-धीरे, किसान ने अपना डंडा नीचे किया. उसने देखा कि गुडविल, जैक्सन के पास गया और उसने उसके कान में कुछ फुसफुसाया.

उसके बाद बूढ़ा गधा तुरंत अपने पैरों पर खड़ा हो गया.

किसान हैरान रह गया. "इस जिद्दी जानवर के आलस को दूर करने के लिए तुमने उससे क्या कहा?" उसने अपने बेटे से पूछा.

"माँ के अनुसार," गुडविल ने समझाया, "कुछ बहुत छोटी-छोटी चीज़ों जैसे – 'कृपया' और 'धन्यवाद' कहने से दुनिया में एक बड़ा बदलाव आता है."

किसान ने लज्जित होकर अपने हाथ का डंडा फेंक दिया. किसान ने कभी भी अपने बूढ़े गधे का, भारी सामान ढोने के लिए धन्यवाद अदा नहीं किया था.

चुपचाप, किसान ने सब्जियां इकट्ठी कीं. उनमें से कुछ को उसने जैक्सन की पीठ पर लादा, बाकी कुछ सब्जियां उसने खुद उठायीं.
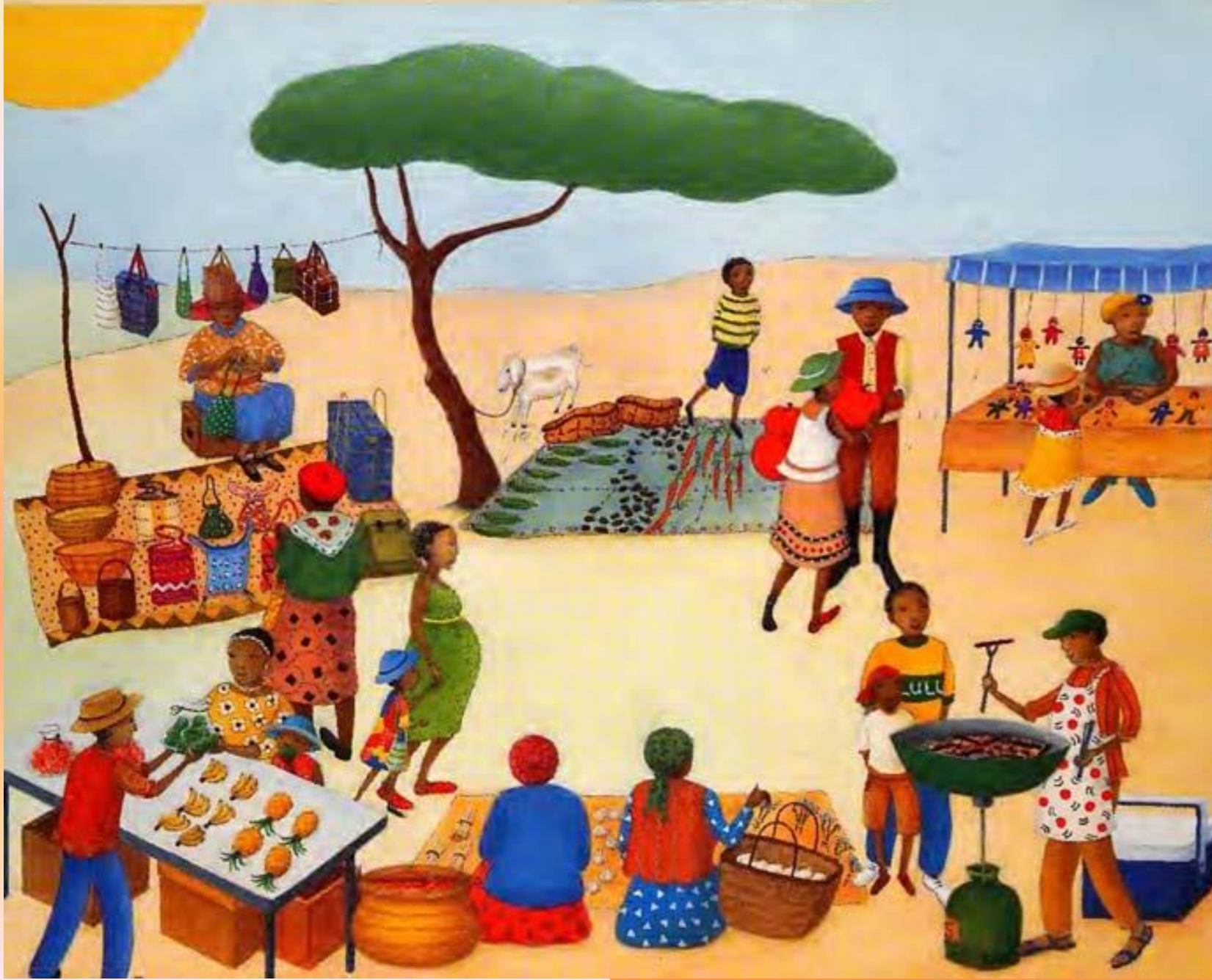
बाजार में पहुंचकर उन्होंने एक छायादार पेड़ के नीचे अपने आलू, गाजर, मक्का और कद्दू बिछाए. जबकि थका हुआ बूढ़ा गधा पास के एक मैदान में घास चरता रहा.

दिन के अंत तक, सभी सब्जियां बिक गयीं. फिर किसान, उसका छोटा लड़का और बूढ़ा गधा घर के लिए रवाना हुए.

घर पर किसान की पत्नी ब्यूटी, रात के खाने के लिए उनका इंतज़ार कर रही थी. "लेकिन पहले," किसान ने कहा, "मुझे जैक्सन से कुछ कहना है."

फिर किसान अपने बूढ़े गधे की ओर मुड़ा, उसे धीरे से उसका सिर सहलाया और उसके कान में फुसफुसाया, "धन्यवाद, जैक्सन."

समाप्त